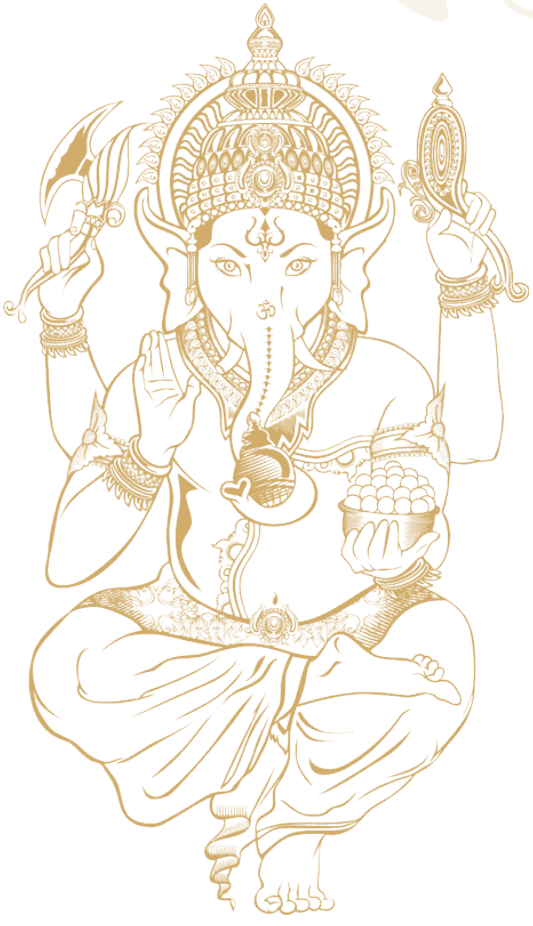

Jitesh Soni Milan

01 Mar 1992

12:30 PM

Manasa

Model: web-freekundliweb

Order No: 120981402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/03/1992**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	14:02:38 घटी
स्थान	**Manasa**
देश	India

अक्षांश	24:27:00 उत्तर
रेखांश	74:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:59:44 घंटे
वेलान्तर	-00:12:21 घंटे
साम्पातिक काल	22:37:04 घंटे
सूर्योदय	06:52:56 घंटे
सूर्यास्त	18:32:34 घंटे
दिनमान	11:39:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:11:59 कुम्भ
लग्न के अंश	27:30:07 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:30:07	343:46:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	17:11:59	01:00:14	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	11:22:18	11:47:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
मंगल			मक	15:31:59	00:46:12	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध			मीन	01:57:23	01:42:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु	व		सिंह	15:45:43	00:07:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मक	20:33:27	01:14:05	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मक	19:08:35	00:06:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	14:16:18	00:05:04	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	14:16:18	00:05:04	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	नीच राशि
हर्ष			धनु	23:09:56	00:02:27	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप			धनु	24:31:46	00:01:33	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	29:11:43	00:00:12	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	13:49:46	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:10

लग्न-चलित

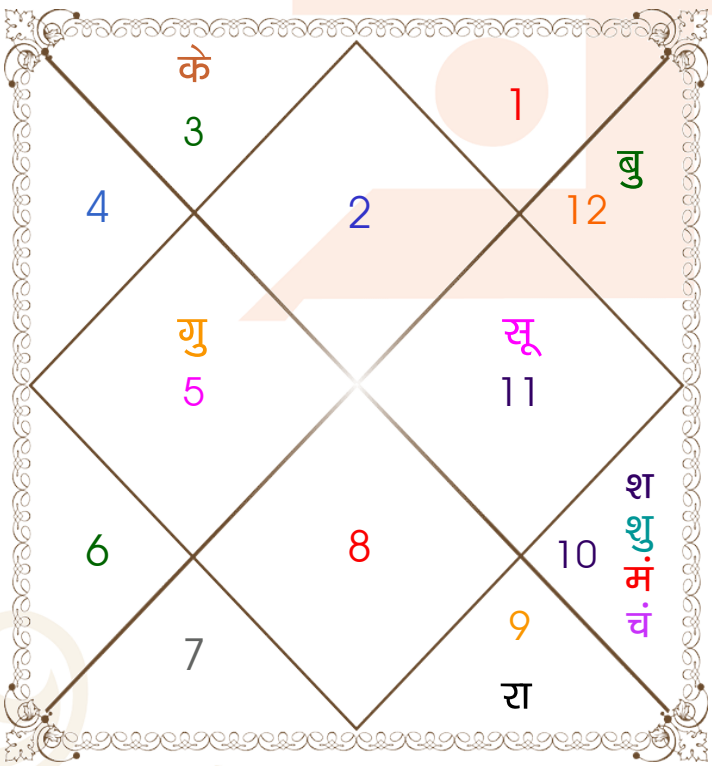

चन्द्र कुंडली

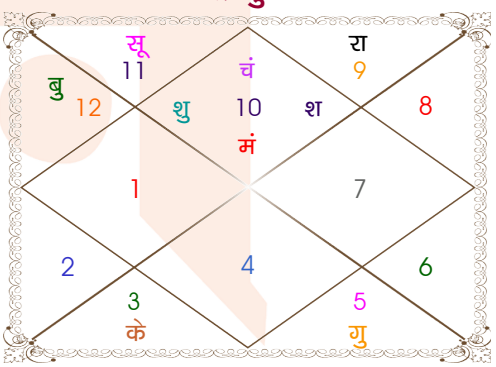

नवमांश कुंडली

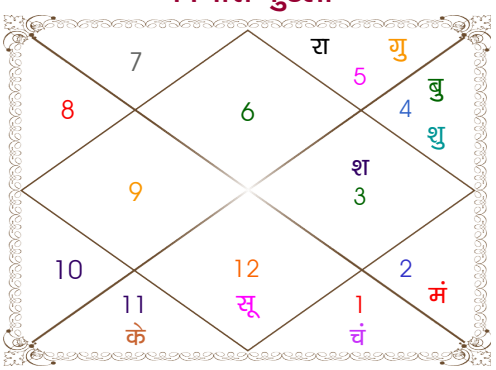

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 11 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/03/1992		19/02/2001		20/02/2008		19/02/2026		19/02/2042	
19/02/2001		20/02/2008		19/02/2026		19/02/2042		19/02/2061	
	01/03/1992	मंगल	18/07/2001	राहु	02/11/2010	गुरु	08/04/2028	शनि	22/02/2045
मंगल	21/07/1992	राहु	05/08/2002	गुरु	27/03/2013	शनि	21/10/2030	बुध	02/11/2047
राहु	20/01/1994	गुरु	12/07/2003	शनि	01/02/2016	बुध	25/01/2033	केतु	11/12/2048
गुरु	22/05/1995	शनि	20/08/2004	बुध	21/08/2018	केतु	01/01/2034	शुक्र	10/02/2052
शनि	20/12/1996	बुध	17/08/2005	केतु	08/09/2019	शुक्र	01/09/2036	सूर्य	22/01/2053
बुध	21/05/1998	केतु	14/01/2006	शुक्र	08/09/2022	सूर्य	21/06/2037	चंद्र	24/08/2054
केतु	20/12/1998	शुक्र	16/03/2007	सूर्य	03/08/2023	चंद्र	21/10/2038	मंगल	03/10/2055
शुक्र	20/08/2000	सूर्य	21/07/2007	चंद्र	01/02/2025	मंगल	26/09/2039	राहु	09/08/2058
सूर्य	19/02/2001	चंद्र	20/02/2008	मंगल	19/02/2026	राहु	19/02/2042	गुरु	19/02/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/02/2061		19/02/2078		19/02/2085		20/02/2105		20/02/2111	
19/02/2078		19/02/2085		20/02/2105		20/02/2111		00/00/0000	
बुध	18/07/2063	केतु	18/07/2078	शुक्र	20/06/2088	सूर्य	09/06/2105	चंद्र	22/12/2111
केतु	15/07/2064	शुक्र	17/09/2079	सूर्य	21/06/2089	चंद्र	09/12/2105	मंगल	02/03/2112
शुक्र	16/05/2067	सूर्य	23/01/2080	चंद्र	19/02/2091	मंगल	16/04/2106		00/00/0000
सूर्य	21/03/2068	चंद्र	23/08/2080	मंगल	20/04/2092	राहु	11/03/2107		00/00/0000
चंद्र	20/08/2069	मंगल	19/01/2081	राहु	21/04/2095	गुरु	28/12/2107		00/00/0000
मंगल	18/08/2070	राहु	07/02/2082	गुरु	20/12/2097	शनि	09/12/2108		00/00/0000
राहु	06/03/2073	गुरु	14/01/2083	शनि	20/02/2101	बुध	15/10/2109		00/00/0000
गुरु	12/06/2075	शनि	23/02/2084	बुध	22/12/2103	केतु	20/02/2110		00/00/0000
शनि	19/02/2078	बुध	19/02/2085	केतु	20/02/2105	शुक्र	20/02/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।